1. संक्षेपण किसे कहते हैं ?

— संक्षेप का अर्थ है "संक्षिप्त करना" किसी विस्तृत लेख, भाषण, अवतरण वक्तव्य आदि के आवश्यक तथ्यों को लेकर संक्षिप्त रूप में इस प्रकार प्रस्तुत करना है कि कोई मूल तथ्य छूट न पाये संक्षेपीकरण कहलाता है।

संक्षेपी अवतरण का आकार मूल अवतरण का एक - तिहाई होता है। संक्षेपण मूलतः गागर में सागर भर देने की कला है। जिसमें आवश्यक तथ्य तो आ जाते हैं और अनावश्यक तथ्य से छुटकारा भी मिल जाता है। संक्षेपण एक कला है जो धीरे - धीरे निखरता है।

2. प्रारूपण किसे कहते हैं ?→

— प्रारूपण का अर्थ है - किसी विशेष प्रकार का पत्र तैयार करना। सरकारी कार्यालयों में काम करने वाले लिपिकों एवं अधिकारियों को प्रारूप में कुशल होना चाहिए क्योंकि उन्हें ही अनेक प्रकार के पत्र लिखने पड़ते हैं। प्रत्येक पत्र का प्रारूप एक जैसा न होकर अलग अलग तरह से बनाया जाता है।

कार्यालय आदेश, अधिसूचना परिपत्र का प्रारूप अलग - अलग तरह से बनाया जाता है। प्रारूपण में शुद्धता, स्पष्टता पर विशेष बल दिया जाता है। इसमें लिखने का ढंग औपचारिक होता है।

सत्यम कुमार

Scanned with CamScanner

3. प्रयोजनमूलक हिन्दी का क्या अभिप्राय है?

— प्रयोजन मूलक हिन्दी को अंग्रेजी में फंक्शनल हिन्दी कहा जाता है। प्रयोजन का मतलब उद्देश्य या लक्ष्य होता है और मूलक का अर्थ होता है विशेषवाची। अर्थात लक्ष्य विशेष की भाषा।

यह हिन्दी का वह रूप है जो जनसंचार, पत्रकारिता, मीडिया लेखन कार्यालयी पत्र व्यवहार अनुवाद विज्ञापण आदि से जुड़ा है। प्रयोजनमूलक हिन्दी रोजी-रोटी सुलभ करती है। हिन्दी को समर्थ भाषा बनाने के लिए अंग्रेजी के समकक्ष खड़ा करना है तब प्रयोजनमूलक हिन्दी बनाना आवश्यक है।

4. राजभाषा किसे कहते हैं?

— राजकीय कार्य संचालन के लिए प्रयोग की जाने वाली भाषा राजभाषा कहलाती है। भारत की राजभाषा हिन्दी है। संविधान के भाग 17 अध्याय 1 की धारा 343 (1) के अनुसार "संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी।

राजभाषा को ही प्रशासनिक भाषा भी कहा जाता है। सरकारी कार्यालयों में हिन्दी भाषा द्वारा ही कार्य संपादन किया जाता है। मुलकिला जुला कर कहा जा सकता है कि राजभाषा और राष्ट्रभाषा दोनों पद हिन्दी को ही प्राप्त है। हिन्दी की भाषा और लिपी सरल है।

बलराम कुमार

डॉ. बलराम कुमार
हिन्दी विभाग
डॉ. एल. के. वी. डी. कॉलेज ताजपुर समस्तीपुर